शिवाजी विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
कोल्हापुर.

डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,
एम्.ए., बी.एड्., पीएच्.डी.
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि कु. रुपाली धनंजय चव्हाण द्वारा प्रस्तुत **''शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य'' ('बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ' एकांकी संग्रह के संदर्भ में)** यह लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए ।

29.1.07

(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

स्थान - कोल्हापुर

दिनांक - 29 JAN 2007

डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव
एम्.ए.(हिंदी),एम्.ए.(मराठी),बी.एड्.,पीएच्.डी.
अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,
छत्रपति शिवाजी कॉलेज,
सातारा - 415 001

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. रुपाली धनंजय चव्हाण ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की **एम्.फिल. (हिंदी)** उपाधि के लिए **''शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य'' ('बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ' एकांकी संग्रह के संदर्भ में)** लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है । यह शोधार्थी की मौलिक रचना है । पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आद्यंत पालन किया है । जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं । यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। प्रस्तुत शोध-कार्य से मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ ।

शोध-निर्देशक

(डॉ. मोहन पुंडलिक जाधव)

स्थान - सातारा

दिनांक - 29 JAN 2007

प्रख्यापन

''शंकर पुणतांबेकर के एकांकियों में हास्य-व्यंग्य'' ('बचाओ, मुझे डाक्टरों से बचाओ' एकांकी संग्रह के संदर्भ में) लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की **एम्.फिल. (हिंदी)** उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है । यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है ।

शोध-छात्रा

(कु. रुपाली धनंजय चव्हाण)

स्थान - कोल्हापुर

दिनांक - 29 JAN 2007